HINDI · CHAPTER 1

दो बैलों की कथा (क्षितिज)

A 1-page guide for parents · 90-second read.

EXPECTED MARKS	TIME TO MASTER	HELPLINE
अच्छी तैयारी वाले छात्र को इस पाठ से लगभग 5-6 अंक (कुल 6 में से) मिलने चाहिए। 3 से कम चेतावनी का संकेत है — सामान्यतः इसका अर्थ है कि बच्चा कथा तो जानता है पर संदेश/प्रतीकार्थ नहीं समझ पाया।	**रुचिशील hrs**	**70330 05444**

WHAT THIS CHAPTER IS, IN PLAIN ENGLISH

यह आपके बच्चे की कक्षा 9 हिंदी (क्षितिज) की पहली गद्य कहानी है, जिसे प्रसिद्ध लेखक प्रेमचंद ने लिखा है। कहानी हीरा और मोती नामक दो बैलों की है, जो आपस में गहरे मित्र हैं। उन्हें एक कठोर मालिक (गया) के पास भेज दिया जाता है, जहाँ वे कष्ट सहते हैं, भाग निकलते हैं, कांजीहौस (पशु-बाड़े) में कैद होते हैं, और अंत में एक छोटी लड़की की दया से मुक्त होकर अपने पुराने स्नेही मालिक झूरी के पास लौट आते हैं। ऊपर से यह बैलों की कहानी है — पर असल में प्रेमचंद इसके ज़रिए स्वतंत्रता, मित्रता एवं अन्याय के विरुद्ध विद्रोह का संदेश देते हैं। बैल यहाँ भारतीय किसान एवं पराधीन जनता के प्रतीक हैं। यह एक अंक-महत्त्वपूर्ण पाठ है — सामान्यतः 4 से 6 अंक।

5 QUESTIONS TO ASK YOUR CHILD

- हीरा और मोती की मित्रता किन-किन मौकों पर दिखती है?
- बैल इस कहानी में किसके प्रतीक हैं — और प्रेमचंद क्या संदेश देना चाहते हैं?
- झूरी और गया में क्या अंतर है? बैल किसके पास लौटना चाहते हैं और क्यों?
- छोटी लड़की की कहानी में क्या भूमिका है?
- प्रेमचंद का वास्तविक नाम क्या था और उन्हें किस उपाधि से जाना जाता है?

WEAK-SPOT INDICATORS

- यदि बच्चा कहानी को 'केवल दो बैलों की मनोरंजक कहानी' बताए — तो वह प्रतीकार्थ एवं संदेश से दूर है।
- यदि बच्चा मित्रता का एक भी ठोस प्रसंग (खेत, सांड, कांजीहौस) न बता पाए — कथा-विवरण कमज़ोर है।
- यदि बच्चा 'बैल = किसान/पराधीन जनता' का प्रतीकार्थ न समझाए — उच्च-अंक के प्रश्न में चूकेगा।
- यदि बच्चा प्रेमचंद का वास्तविक नाम (धनपत राय) न जानता हो — लेखक-परिचय का अंक खोएगा।

WHEN TO WORRY — AND WHAT TO DO

यदि आपका बच्चा कहानी का घटनाक्रम क्रम से न सुना सके अथवा 'पाठ का संदेश क्या है' का उत्तर एक पैराग्राफ में न दे सके, तो वह 4-5 अंक खो सकता है। इसका समाधान कहानी को दोबारा रटना नहीं, बल्कि उसके संदेश एवं प्रतीकार्थ पर 15-20 मिनट की चर्चा है।